



Selection in UPSC | Placement in Top Companies | Highest Package 1.22 Cr. | 100 Gold Medals | NCC, NSS

10000+	30+	200+	75+	150+	25000+
Students From Delhi/NCR	Wide range of Course	Top Corporate Recruiters	High-Tech Laboratories & Computer Labs	Medals	Alumni Trust Base

Maharaja Agrasen Institute of Technology
 - Inspected by All India Council Technical Education, Prime Minister of India
 - NBA Accredited (IT, ECE, ME)
 - Affiliated to GGS Indraprastha University

Maharaja Agrasen Institute of Management Studies
 - NAAC Accredited Institute with A++ Grade
 - Affiliated to GGS Indraprastha University

Maharaja Agrasen Business School
 - Inspected by All India Council Technical Education, Prime Minister of India
 - Approved by AICTE, Ministry of Education, GOI
 - Academic Partnership with Global Thermo Water

Maharaja Agrasen University
 - Inspected by All India Council Technical Education, Prime Minister of India
 - NAAC Accredited & Highest Rating from UGC of MAHARAJA (A++)
 - Over 80 M.B.A. & Collaborations with Corporates

• Artificial Intelligence • Machine Learning • VLSI • Data Science • Advanced Communication Technology
 • PGDM • Management (BBA, MBA) • Law (B.A., LL.B (H), BBA LL.B (H), LL.M) • Computer (B.Com (IT)
 • Pharmacy • Computer Application (BCA) • Economics (B.A. Econ (H)) • Journalism (B.A. JRMH)

• 100+ Top Faculty • 100+ Internships of A++ Institute • 10+ Core Corporate Areas • 100+ Medals & Certificates for Outstanding Students
 • Medals for Boys and Girls • 1000+ Research Articles Published in International Journals • 100+ Seminars • 100+ Seminars and Seminars Events • 100+

Delhi Sector-22, Rohini Contact: 9812261325
 www.mait.ac.in www.maim.ac.in www.maba.ac.in www.mau.ac.in

भारतीय ज्ञान परंपरा
 अवधारणा एवं स्वरूप

भारतीय ज्ञान परंपरा

अवधारणा एवं स्वरूप

प्रधान संपादक
 प्रो. प्रदीप श्रीधर



शुभम् पब्लिकेशन

3ए/128, हंसपुरम, कानपुर-208021 (उ.प्र.)
 E-mail : shubhampublicationskanpur@gmail.com

ISBN 978-93-6381-487-5

9 789363 814875 >

₹ 995/-



भारतीय ज्ञान परंपरा

अवधारणा एवं स्वरूप

प्रधान संपादक

प्रो. प्रदीप श्रीधर

अध्यक्ष, हिन्दी विभाग एवं निदेशक,
कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिन्दी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ
डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

संपादक-द्वय

डॉ. नितिन सेठी

(डी.लिट्.)

सचिव, यथार्थ गीता
दिव्य ज्ञान ट्रस्ट, बरेली

प्रो. शिखा श्रीधर

अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
श्रीमती बी.डी. जैन गर्ल्स
(पी.जी.) कॉलेज, आगरा

सह-संपादक

डॉ. प्रेमलता

शुभम् पब्लिकेशन

कानपुर

इस पुस्तक के सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक या इसके किसी भी अंश का किसी भी माध्यम से अथवा ज्ञान के संग्रहण एवं पुनर्प्रयोग की प्रणाली द्वारा, किसी भी रूप में, पुनरुत्पादित अथवा संचारित-प्रसारित नहीं किया जा सकता, इसे संक्षिप्त, परिवर्धित कर प्रकाशित करना कानूनी अपराध है।

ISBN : 978-93-63814-487-5

प्रथम संस्करण 2025

© लेखकाधीन

पुस्तक : भारतीय ज्ञान परंपरा अवधारणा एवं स्वरूप
प्रधान संपादक : प्रो. प्रदीप श्रीधर
संपादक-द्वय : डॉ. नितिन सेठी (डॉ.लिट्.), प्रो. शिखा श्रीधर
प्रकाशक : शुभम् पब्लिकेशन
3ए/128, हंसपुरम्, कानपुर-208021 (उ.प्र.)
सम्पर्क : 09415731903, 09452971407
E-mail: shubhampublicationskanpur@gmail.com
Website : www.shubhampublications.com
मूल्य : ₹ 995/-
शब्द सज्जा : शिखा ग्राफिक्स, कानपुर-14
मुद्रक : अनिका डिजिटल, कानपुर-14
आवरण : शिवम् तिवारी, कानपुर-14
जिल्द-सज्जा : तबारक अली, कानपुर-01

आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः
हमारे लिए सभी दिशाओं से कल्याणकारी विचार आएँ
-ऋग्वेद

अनुक्रमणिका

1. भारतीय ज्ञान परंपरा
प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित 11
2. प्राचीन भारत में रासायनिक विज्ञान
प्रो. आशुरानी, अंकित शर्मा 24
3. भारतीय ज्ञान परंपरा और भक्ति साहित्य : एक गूढ़ विश्लेषण
प्रो. उमापति दीक्षित 31
4. भारतीय ज्ञान परम्परा: सातत्य और समग्रता
प्रो. शिखा श्रीधर 35
5. भारत में शिक्षा का स्वरूप एवं विकास
डॉ. वंदना मुकेश (यूनायटेड किंगडम) 41
6. भारतीय ज्ञान परंपरा और विश्व बंधुत्व की भावना
डॉ. हिमानी मिश्रा (न्यूजीलैंड) 50
7. भारतीय प्राचीन ज्ञान- परम्परा में प्रसव पूर्व मनोविज्ञान
यूरी बोत्वीकिन (यूक्रेन) 57
8. भारतीय ज्ञान परम्परा में आदि नारी
डॉ. आरती 'लोकेश' (दुबई, यू.ए.ई.) 65
9. विदेशी भाषा के संदर्भ में हिंदी शिक्षण और संस्कृति का संबंध
कुसुम नैपसिक (नार्थ कैरोलिना, अमेरिका), भानु सिसोदिया (न्यूयॉर्क, अमेरिका) 78
10. आवाजें जो सुनी नहीं गयीं
गरिमा श्रीवास्तव 86
11. तुलसीदास और समन्वयवाद
(काशी में श्रीराम और शिवभक्ति की परंपराओं के सामंजस्य की गाथा)
डॉ. विजय राणा (लंदन, यू. के.) 106
12. भारतीय ज्ञान परंपरा की सार्वकालिकता
(विशेष सूत्र संदर्भ: असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मा मृतं गमय)
डॉ. शैलजा सक्सेना (कनाडा) 110
13. प्राचीन भारत में विधि विज्ञान की झलक
रचना चंदेला (गुयाना, दक्षिण अमेरिका) 121
14. भारतीय ज्ञान परम्परा: कल, आज और कल
गोपाल बघेल 'मधु' (टोरोंटो, कनाडा) 136

15. महाभारत और रामायण महाकाव्यों का भक्ति साहित्य में पुनर्जन्म
उल्फत मुखिबोवा (ताशकंद, उज़्बेकिस्तान) 142
16. जापान में भारतीय ज्ञान परंपरा की कुछ छवियाँ
डॉ. वेद प्रकाश सिंह (जापान) 155
17. प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणालियों में विमान: विश्वास, कल्पना
और उड़ान की खोज का अन्वेषण
प्रो. सचिन गुप्ता, डॉ. सुबोध जिंदल 158
18. भारतीय ज्ञान परंपरा एवं वैदिक मंत्रों का प्रभाव
प्रो. मनु प्रताप सिंह 167
19. 'अध्यात्म' : भारतीय ज्ञान परंपरा का केन्द्रीय बिंदु
डॉ. मधु विनय 175
20. भारतीय ज्ञान परंपरा में कृषि विज्ञान एवं इसकी उपादेयता
प्रो. (डॉ.) अनुसुइया अग्रवाल 179
21. भारतीय ज्ञान परंपरा में पत्रकारिता की भूमिका
डॉ. संजीव कुमार विश्वकर्मा 184
22. भारतीय ज्ञान परंपरा में वैदिक चिंतन की प्रासंगिकता
डॉ. निशीथ गौड़ 190
23. भारतीय लोक की वाचिक ज्ञान परंपरा
प्रो. शेफाली चतुर्वेदी 199
24. हिंदी नवजागरण का आर्थिक चिंतन
प्रो. जयसिंह 'नीरद' 210
25. राम नाम वरानने
डॉ. विमलेश कान्ति वर्मा 231
26. भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतबोध की अवधारणा
हिमांशु तिवारी 249
27. नीडोनॉमिक्स और भगवद्गीता का दृष्टिकोण: उपभोगवाद की
पुनर्व्याख्या और संतोष की अवधारणा
आशुतोष प्रिय, मदन मोहन गोयल 257
28. भारतीय ज्ञान परंपरा के सन्दर्भ में लोक जीवन, हिन्दी साहित्य और
योग की उपादेयता
संजीव श्रीवास्तव 264

29. प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा में शिक्षा का स्वरूप एवं
व्यक्तित्व विकास
डॉ. अनुराग पालीवाल 278
30. रसायन: भारतीय ज्ञान प्रणालियों में रसायन विज्ञान की खोज
डॉ. भूमि गुप्ता, प्रो. एस. के. गर्ग 296
31. भारतीय समृद्ध खाद्य संस्कृति : अवधारणा, स्वरूप और गिरमिट
देशों की यात्रा
डॉ. दीप्ति अग्रवाल 308
32. भारतीय ज्ञान परम्परा में ऋत तत्त्व
डॉ. नितिन सेठी 321